MAHANTH MAHADEVANAND MAHILA MAHAVIDYALAYA, ARA

ACTIVITY REPORT 2020-21

Name of the Department: Department of Home-Science

Name of activity: Two Days National Webinar/ Seminar on "Role of Home-Science in Emerging India "

Level of activity: Departmental/Institutional/State/**National/**International

Date of activity: 13.07.2021 to 14.07.2021

Head of The department: Dr. Vijay laksmi

Name of Resource person/s: -Dr. Sunanda Chande, Prof. Rajendra Prasad, Pof. Janardan Jee, Dr. Anil Kumar, Prof. Tarni Jee, Dr. Suman Singh, Dr. Anju Srivastava , Dr. Smita Pathak , Dr. Kalpana Gupta , Dr. Shipra Kumari and Prof. K. Bijli.

Number of teacher participated: More than 60

Number of students participated: 400

Fruitful Outcome of the activity: The purpose of the seminar was to provide new dimension to outgoing research and thinking. The articles and research papers contributed by different distinguished professors, research scholars and students show that their depth of analysis of the subject matter related to various aspects of Home Science and its vital role in making of vibrant India. This anthology in title "Role of Home Science in Emerging India" contains so many articles which really present the analysis of the common problems like malnutrition, food problems, inefficiency in child nourishment etc. We are thankful to all the contributors who in very short time, respond to our call for papers and articles by showing good gesture

Signature

Dr. Nidhi Sinha
HOD
Department of Home-Science
M.M.Mahila College

MEDIA COVERAGE/PHOTOGRAPHS

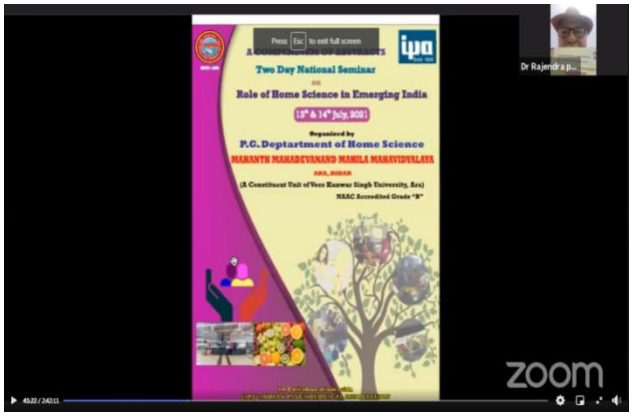

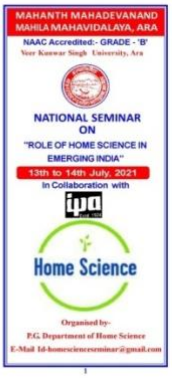

बदलते परिदृश्य में गृह विज्ञान विषय का बढ़ता आयामः प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद

संवाददाता | एजुकेशनल न्यूज

बोधगया । बदलते परिदृश्य में गृह विज्ञान विषय की महत्ता दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जो ना केवल एक बालिका को ज्ञान प्रदान करती है बल्कि रोजगार की दृष्टि से भी गृह विज्ञान विषय बालिकाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है । यह वक्तव्य मगध विश्वविद्यालय बोधगया के कुलपति एवं वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के प्रभारी कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद ने एम एम महिला कॉलेज पीजी गृह विज्ञान विभाग द्वारा रोल ऑफ होम साइंस इन इमर्जिंग इंडिया विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में कही " प्रोफेसर प्रसाद ने नई शिक्षा नीति की महत्ता एवं कोरोना महामारी में शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रहने पर भी बल देते हुए कहा कि वर्तमान जीवन शैली को कोरोना वायरस ने प्रभावित किया है परंतु हमारा यह दायित्व बनता है कि हम इस समस्या से बिना घबराए अपने कार्य प्रणाली में परिवर्तन लाकर उच्च शिक्षा को अधिक ऊंचाई पर ले जा सकते है । जिसमें हमें संगोष्ठी एवं शैक्षणिक क्रियाकलापों द्वारा हमें क्रियाशील रहना होगा और यही समय की मांग भी है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में माननीय कुलपति महोदय के कर कमलों द्वारा स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ आभा सिंह द्वारा सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत परिचय कराया गया तथा संगोष्ठी की संयोजिका डॉ विजयलक्ष्मी ने संगोष्ठी के उद्देश्य एवं कार्यक्रम की रूपरेखा से सभी को परिचित कराया।

कार्यक्रम के प्रथम दिन मुख्य वक्ता एसबीपी कॉलेज आफ होम साइंस और होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया की पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर सुनंदा ने गृह विज्ञान के द्वारा रोजगार के अवसर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां गृह विज्ञान का अध्ययन करने वाली छात्राओं की भागीदारी ना हो। स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, वस्त्र एवं परिधान व्यवसाय, कृषि ,घरेलू व्यापार, इंटरनेट, यूट्यूब सभी जगह गृह विज्ञान की छात्राएं अपनी भागीदारी दे रही है। हमें गंभीरता से इस विषय की महत्वता को समझना होगा। संगोष्ठी दो तकनीकी सत्र में विभाजित थी जिसमें उदयपुर राजस्थान से डॉक्टर सुमन सिंह, प्रोफेसर अंजू श्रीवास्तव, डॉक्टर शुभा, प्रोफेसर मीना, डॉक्टर प्रिया ने चेयर पर्सन के रूप में संगोष्ठी को संचालित किया। दोनों सत्रों में विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा लगभग 150 शोध पत्रों को प्रस्तुत किया गया। मगध विश्वविद्यालय बोधगया के पीजी गृह विज्ञान विभाग की सहायक अध्यापिका डॉक्टर दीपशिखा पांडे ने भी अपने शोध पत्र की प्रस्तुति की। कार्यक्रम में पीजी गृह विज्ञान की। छात्राओं द्वारा कुल गीत एवं स्वागत गान की प्रस्तुति की गई कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर निधि सिन्हा एवं आभार ज्ञापन डॉ ललिता वर्मा ने किया कार्यक्रम में मगध विश्वविद्यालय बोधगया के गृह विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर किशोर कुमार के साथ गृह विज्ञान की शोध छात्राएं रंजना सिन्हा, अनुभा सिन्हा, कंचन कुमारी, रीना ने भी अपनी सहभागिता प्रदान की। मगध विश्वविद्यालय बोधगया के जनसंपर्क विभाग के समन्वयक एवं पीआरओ डॉ शैलेंद्र मणि त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार डॉ के के मिश्रा, नोडल डॉक्टर संजय कुमार ने संगोष्ठी का आयोजन करने पर सभी सदस्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की और कहा कि माननीय कुलपति के द्वारा इस प्रकार के आयोजनों का संचालन करने के पीछे यही उद्देश्य है कि हम शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ पाठ्य तर क्रियाकलापों में भी उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में अपना योगदान दे सकें।

पटना। बुधवार • 14 जुलाई • 2021

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

महिला कॉलेज में दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन

आरा (एसएनबी)। एमएम महिला कॉलेज गृहविज्ञान विभाग के द्वारा दो दिवसीय सेमिनार के द्वारा उद्घाटन हुआ जिसका मंच संचलन निधि वर्मा ने किया इस सेमिनार के उद्घाटन वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रो. राजेंद्र प्रसाद के द्वारा किया गया। महिला कॉलेज कि छात्राओं सिम्पल सिंह, अनामिका केसरी और बंटी कुमारी के द्वारा कुल गीत गाया गया उसके बाद प्राचार्या प्रो आभा सिंह ने सेमिनार मे सभी का सवागत किया, इस सेमिनार कि सचिव डॉ. विजय लक्ष्मी ने सेमिनार के उद्देश्य और दो दिवसीय सेमिनार का रूप रेखा प्रस्तुत किया, किनोट स्पीकर के रूप मे डॉ सुनंदा चान्दे ने गृहविज्ञान कि विभिन्न क्षेत्रो पे चर्चा किया। मुख्य अतिथि डॉ धीरेंद्र, डॉ अनिल कुमार ठुडॉक्टर पटना एम्स), डॉ जनार्धन ने भी गृहविज्ञान के विषय पे अपना विचार प्रकट किया डॉ लतिका प्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापन किया। पुनः दोपहर में टेक्निकल सेशन चला जिसमे प्रथम टेक्निकल स्पीकर गेस्ट प्रो. सुमन सिंह राजस्थान उदयपुर द्वितीय प्रो. अंजू श्रीवास्तव पटना यूनिवर्सिटी ने सेमिनार मे डॉ. सुभा, प्रो मीना, डॉ प्रिया और डॉ. उपासना ने टेक्निकल सेसन मे सदस्यों के रूप मे उपस्थित होकर अपने अपने कार्यो के निर्वाह किया दोनो सेसन मे बहुत संख्या मे पार्टिसिपेंट ने पेपर प्रस्तुत किया दूसरे सेसन मे विदेश से भी पेपर प्रस्तुत किया गया इस प्रकार दोनों सेसन बहुत ही सुचारु रूप से सफल रहा इस सेमिनार के द्वारा ये स्पष्ट हो गया कि हमारे देश कि विकाश मे गृहविज्ञान कि महत्वपूर्ण भूमिका है।

वेविनार में मौजूद लोग।

आधुनिक जीवन शैली में गृह विज्ञान का महत्व

बोले वीसी

आरा | निज प्रतिनिधि

आधुनिक जीवन शैली में होम साइंस का महत्व काफी बढ़ गया है। कई विषयों का सम्मिश्रण होने के कारण इसी उपयोगिता वर्तमान परिवेश में और बढ़ गयी है।

ये बातें वीर कुंवर सिंह विवि के कुलपति प्रो राजेंद्र प्रसाद ने एमएम महिला कॉलेज पीजी गृह विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में कहीं। कुलपति ने नई शिक्षा नीति पर भी प्रकाश डाला। कहा कि शिक्षा नीतियों में पहले भी परिवर्तन होते रहे है। ये समय के मांग के अनुरूप तैयार की जाती है। कोरोना संक्रमण के कारण सेमिनार ऑफलाइन आयोजित न हो कर ऑनलाइन आयोजित हुआ। रोल ऑफ होम साइंस इन इमर्जिंग इंडिया विषय पर आयोजित सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि कुलपति प्रो राजेंद्र प्रसाद ने किया। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य डॉ आभा सिंह ने किया। मौके पर छात्रा सिंपल सिंह, अनामिका केसरी और बंटी कुमारी द्वारा कुलगीत और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। आयोजन सचिव डॉ विजय लक्ष्मी ने सेमिनार के उद्देश्य और इसकी रूप रेखा प्रस्तुत किया। सेमिनार पहले दिन दो सत्रों में चला।

मुख्य वक्ता एसवीटी कॉलेज ऑफ होम साइंस और होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इण्डिया की पूर्व अध्यक्ष की पूर्व प्राचार्य डॉ सुनंदा चांदे थी। सेमिनार में प्रो जनार्दन, डॉ अनिल कुमार, कुलसचिव डॉ धीरेंद्र कुमार सिंह, प्रो तारिणी ने अपने विचार रखें। उद्घाटन सत्र के कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ आभा सिंह और संचालन डॉ निधि डॉ निधि सिन्हा ने किया। वक्ताओं ने कहा कि हाउस कीपिंग के अलावा हेल्थ, फूड, टीचिंग, फैशन, एनजीओ आदि विभिन्न क्षेत्र भी होम साइंस के दायरें में आते है। मौके पर स्मारिका का विमोचन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ सुनंदा चांदे ने गृहविज्ञान के विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन डॉ लतिका वर्मा ने किया। तकनीकी सत्र में राजस्थान उदयपुर से डॉ सुमन सिंह, प्रो अंजू श्रीवास्तव, डॉ शुभा, प्रो मीना, डॉ प्रिया और डॉ उपासना मौजूद थी। इस दौरान ऑनलाइन पेपर शोधार्थियों ने प्रस्तुत किया। दूसरे सत्र में देश के बाहर से जुड़े अन्य देशों के शोधार्थियों ने अपना पेपर प्रस्तुत किया।

सेमिनार

- महिला कॉलेज के पीजी गृह विज्ञान विभाग की ओर से दो दिवसीय सेमिनार
- कुलपति ने नई शिक्षा नीति पर भी प्रकाश डाला

सेमिनार में ऑनलाइन शामिल प्राचार्य डॉ आभा सिंह और अन्य। • हिन्दुस्तान

बीजेपी के जिला मीडिया प्रभारी बने रमेश

बक्सर। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष मचुरी कुंवर ने पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता रमेश गुप्ता को जिला मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्य और संगठन के प्रति समर्पण को देखते इन्हें मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

असाइनमेंट जमा करने को ले उमड़ रही भीड़

आरा। स्नातक पार्ट द्व सत्र 2018-21 के असाइनमेंट जमा करने की तिथि घोषित होने के बाद कॉलेजों में भीड़ उमड़ रही है। आगामी 24 जुलाई तक कॉलेजों में असाइनमेंट जमा किये जायेंगे। हालांकि कोरोना से बचाव को ले सरकार के जारी गाइडलाइन के तहत 50 प्रतिशत उपस्थिति के साथ एसाइनमेंट जमा करने की इजाजत दी गयी है। भीड़ भाड़ नहीं हो इसका ख्याल रखने का निर्देश दिया गया है। इसे देखते हुए कई कॉलेजों ने विषयवार असाइनमेंट जमा की तिथि घोषित की गई है।

दैनिक भास्कर

आरा 14-07-2021

रोल ऑफ होम साइंस इन इमर्जिंग इंडिया विषय पर हुआ सेमिनार

एजुकेशन रिपोर्टर | आरा

महंत महादेवानंद महिला कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग की तरफ से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो राजेंद्र प्रसाद ने किया। यह सेमिनार रोल ऑफ होम साइंस इन इमर्जिंग इंडिया विषय पर हुआ। मंच संचलन निधि वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ लतिका वर्मा ने किया। प्रभारी कुलपति ने छात्राओं एवं शोधार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालयों में हमेशा ही सेमिनार अथवा वेबिनार होते रहना चाहिए।

ऑनलाइन सेमिनार में शामिल छात्राएं व अन्य।

यह एक ऐसा प्लेटफार्म जहां पर छात्र-छात्राओं एवं शोधार्थियों को बहुत कुछ सीखने को मिलता है। यही वजह है कि मगध विश्वविद्यालय अंतर्गत सभी कॉलेजों में हमेशा ही सेमिनार अथवा वेबिनार का आयोजन किया जाता रहा है। प्राचार्य डॉ आभा सिंह ने कहा कि सेमिनार के जरिए देश के बुद्धिजीवियों के अनुभव एवं ज्ञान को सुनने का मौका मिलता है। अपने हुनर को प्रस्तुत करने का एक प्लेटफार्म मिलता है। सेमिनार की सचिव डॉ विजय लक्ष्मी ने सेमिनार के उद्देश्य एवं रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ धीरेंद्र प्रसाद सिंह, एम्स पटना के डॉक्टर अनिल कुमार एवं एनआरसीएम के पूर्व डायरेक्टर डॉ जनार्दन ने सेमिनार के विषय पर अपनी बातों को रखा। दोपहर दो बजे से लेकर शाम छह बजे तक दो टेक्निकल सत्र चला। दोनों सत्र में कई छात्राएं एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। अपना पेपर प्रस्तुत किया। तीसरा सेशन बुधवार 14 जुलाई को संचालित होगा।

आज

गय

बदलते परिदृश्यमें गृह विज्ञान विषय का बढ़ता आयाम: प्रो राजेंद्र

बोधगया (आससे)। बदलते परिदृश्यमें गृह विज्ञान विषयकी महत्ता दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जो ना केवल एक बालिका को ज्ञान प्रदान करती है बल्कि रोजगारकी दृष्टिसे भी गृह विज्ञान विषय बालिकाओंके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह वक्तव्य मगध विश्वविद्यालय के कुलपति एवं वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के प्रभारी कुलपति प्रो राजेंद्र प्रसादने एमएम महिला कालेज पीजी गृह विज्ञान विभाग द्वारा रोल आफ होम साइंस इन इमर्जिंग इंडिया विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठीके उद्घाटन सत्र में कही।

प्रो प्रसादने नई शिक्षा नीतिकी महत्ता एवं कोरोना महामारीमें शैक्षणिक गतिविधियोंमें सक्रिय रहनेपर भी बल देते हुए कहा कि वर्तमान जीवन शैली को कोरोना वायरसने प्रभावित किया है, परंतु हमारा यह दायित्व बनता है कि हम इस समस्यासे बिना घबराए अपने कार्य प्रणाली में परिवर्तन लाकर उच्च शिक्षा को अधिक ऊंचाई पर ले जा सकते हैं। जिसमें हमें संगोष्ठी एवं शैक्षणिक क्रियाकलापों द्वारा हमें क्रियाशील रहना होगा और यही समयकी मांग भी है। कार्यक्रमके उद्घाटन सत्र में उन्होंने स्मारिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य डा. आभा सिंह द्वारा सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत परिचय कराया गया तथा संगोष्ठीकी संयोजिका डा. विजयलक्ष्मी ने संगोष्ठीके उद्देश्य एवं कार्यक्रमकी रूपरेखासे सभी को परिचित कराया।

कार्यक्रमके प्रथम दिन मुख्य वक्ता एसबीपी कालेज आफ होम साइंस और होम साइंस एसोसिएशन आफ इंडियाकी पूर्व अध्यक्ष डाक्टर सुनंदा ने गृह विज्ञान के द्वारा रोजगारके अवसरपर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां गृह विज्ञानका अध्ययन करने वाली छात्राओं की भागीदारी ना हो। हमें गंभीरतासे इस विषयकी महत्वता को समझना होगा। संगोष्ठी दो तकनीकी सत्र में विभाजित थी जिसमें उदयपुर राजस्थानसे डा. सुमन सिंह, प्रो अंजू श्रीवास्तव, डा. शुभा, प्रो मीना, डा. प्रिया ने चेयर पर्सनके रूपमें संगोष्ठीको संचालित किया। दोनों सत्रों में विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा लगभग 150 शोध पत्रों को प्रस्तुत किया गया। मगध विश्वविद्यालय के पीजी गृह विज्ञान विभाग की सहायक अध्यापिका डा. दीपशिखा पांडेने भी अपने शोध पत्र की प्रस्तुति की। कार्यक्रम में पीजी गृह विज्ञानकी छात्राओं द्वारा कुल गीत एवं स्वागत गानकी प्रस्तुति की गई कार्यक्रम का संचालन डा. निधि सिन्हा एवं आभार ज्ञापन डा. ललिता वर्माने किया। कार्यक्रममें मगध विश्वविद्यालयके गृह विज्ञान विभागके अध्यक्ष प्रो किशोर कुमारके साथ शोध छात्राएं रंजना सिन्हा, अनुभा सिन्हा, कंचन कुमारी, रीना ने भी अपनी सहभागिता प्रदान की। मगध विश्वविद्यालयके पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागके समन्वयक व पीआरओ डा. शैलेंद्र मणि त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार डा. केके मिश्रा, नोडल डा. संजय कुमारने संगोष्ठीका आयोजन करने पर सभी सदस्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की।

वर्चुअल मोडमें हो रही सुनवायी से अधिवक्ताओ

गया। वर्चुअल मोडके माध्यमसे गया व्यवहार न्यायालयमें एक जूनसे सुनवाआई हाई कोर्ट के निर्देश पर गया व्यवहार न्यायालय में वर्चुअल मोड में सुनवाई तो चल रह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गया बार एसोसिएशनके सचिव मुरारी कु प्रसाद, बैकुंठ सिंह व बागेश कुमार सहित कई अन्य अधिवक्ताओंने कहा कि सुनवाईमें कभ समस्या, तो कभी नेटवर्क की समस्यासे अधिवक्ता प्रतिदिन जूझ रहे हैं। जिसके कारण है व अधिवक्ता गण अपने पक्षको न्यायालयके समक्ष सही ढंग से नहीं रख पा रहे हैं और इ साथ न्याय भी नहीं कर पा रहे हैं। कई बार एक ही समय में कई अधिवक्तागण वर्चुअल बहस करना लगभग नामुमकिन हो जाता है। इस तरह की समस्याएं कई न्यायालयों में व्याप्त है। अधिवक्ताओं का कहना है आनलाइन मामलेकी सुनवाई महज औपचारिकता

Two Day National Seminar
Organized by
PG Dept. of Home Science
MAHANTH MAHADEVANAND MAHILA MAHAVIDYALAYA, ARA
(A Constituent Unit of Veer Kunwar Singh University, Ara)
NAAC Accredited Grade "B"
ESTD : 1959

In Collaboration with
[IPA] INDIAN PSYCHOLOGICAL ASSOCIATION
ipa Estd. 1924

Topic: "Role of Home Science in Emerging India"

Inaugural Session
13th July, 2021 (10:30 AM to 01:00 PM)

CHIEF PATRON
Prof. Rajendra Prasad
Hon'ble Vice Chancellor
VKSU, Ara & Magadh
University, Bodhgaya

KEYNOTE SPEAKER
Dr. Sunanda Chande,
Former Principal, SVT
College, Mumbai., Former
Secretary, HSAI

SPECIAL GUEST
Prof. Tarni Jee,
President, I.P.A., Former Head, P. G.
Centre of Psychology
College of Commerce, Arts &
Science, Patliputra University, Patna

PRESIDENT
Dr. Abha Singh,
Principal,
M M Mahila College, Ara

SPECIAL GUEST
Prof. (Dr.) Janardhan Jee,
Former Director, NRCM,
ICAR President, SAVE
International

VOTE OF THANKS
Dr. Latika Verma
Head, PG Department of
Psychology, M.M. Mahila
College, Ara

ORGANISING SECRETARY
Dr. Vijay Lakshmi,
Associate Prof. & Head, PG
Dept of Home

SPECIAL GUEST
Dr. Anil Kumar,
Additional Prof. & Head
(Trauma and Emergency)

ANCHOR
Dr. Nidhi Sinha
PG Dept. of Home Science,
M.M.Mahila College, Ara